No. of Printed Pages : 6

BHMCT–105

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2024

BHMCT-105 : STUDY OF FORMS, TRADITIONS AND INSTRUMENTS IN HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *All questions are compulsory.*

1. Write elaborate answers to any *four* of the following : 4×15=60

   (a) Give an account of the evolution and development of Delhi Gharana.

   (b) Give brief life sketches of any *two* established vocalists of Gwalior Gharana.

   (c) Explain the interrelation of music and religion in your own words.

   (d) Analyze the content of the treatise "Raga Darpan".

(e) Describe the *four* Dhatus and *six* Angas of Prabandha.

(f) Give detailed account of evolution and development of Maihar Gharana.

2. Write short notes on any *five* of the following :

6×5=30

(a) Describe the instrument Santoor.

(b) Give a brief introduction to Pt. Lochan.

(c) Delhi Gharana of Tabla.

(d) The Gayaki of Gwalior Gharana.

(e) Brief life sketch of Roshanara Begum.

(f) Characteristics of Gharana tradition.

(g) Evolution of string instruments.

3. Fill in the blanks with appropriate words :

1×10=10

(a) Founder of the Maihar Gharana was ....., ..., ...

(b) The first part of the treatise "Raga Darpan" is the translation of the medieval treatise ..... written in 'Hindavi'.

(c) Bharat Ratna Pt. Bhimsen Joshi belongs to the ..... Gharana.

(d) Pt. Vishnu Digambar Paluskar belongs to ..... Gharana.

(e) The Gayaki of Delhi Gharana is known as "……", …… .

(f) Rudra Veena comes under the category of ……, …… .

(g) The author of the treatise 'Hriday Kautak' is ……, …… .

(h) "Jhaptaal" consists of …… 'Matras'.

(i) Raag Khamaj is the ……, …… of Thaat Khamaj.

(j) Chautal is used in the …… style of singing.

BHMCT–105

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला)
हिन्दुस्तानी संगीत
(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2024
बी.एच.एम.सी.टी.-105 : हिन्दुस्तानी संगीत की गान विधाएँ, वाद्यों और परम्पराओं का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए : 4×15=60

   (क) दिल्ली घराने की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत विवरण दीजिए।

   (ख) ग्वालियर घराने के किन्हीं **दो** प्रतिष्ठित कलाकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

(ग) धर्म और संगीत के अन्तर्सम्बन्ध को अपने शब्दों में समझाइए।

(घ) "राग दर्पण" ग्रन्थ की सामग्री का विश्लेषण कीजिए।

(ङ) प्रबन्ध के **चार** धातु और **छः** अंगों के सम्बन्ध में विस्तार से बताइये।

(च) मैहर घराने की उत्पत्ति और विकास का विस्तृत विवरण दीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6×5=30

(क) संतूर वाद्य का वर्णन कीजिए।

(ख) पं. लोचन का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

(ग) तबले का दिल्ली घराना।

(घ) ग्वालियर घराने की गायकी।

(ङ) रौशनारा बेगम का संक्षिप्त परिचय।

(च) घराना परंपरा की विशेषताएँ।

(छ) तत् वाद्यों की उत्पत्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान उपयुक्त शब्दों से भरिए : 1×10=10

(क) मैहर घराने के संस्थापक उस्ताद ....., ..., ... थे।

(ख) "राग दर्पण" के प्रथम भाग में हिन्दवी ग्रन्थ ..... का अनुवाद है।

(ग) भारत रत्न पं. भीमसेन जोशी ..... घराने के कलाकार हैं।

(घ) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर ..... घराने से सम्बद्ध हैं।

(ङ) दिल्ली घराने की गायकी को '.....', '.....' की गायकी कहा जाता है।

(च) रुद्र वीणा ....., ... वीणा के वर्ग में आता है।

(छ) 'हृदय कौतुक' ग्रन्थ के लेखक ....., ... हैं।

(ज) झपताल ..... मात्रा का ताल है।

(झ) राग खमाज, खमाज थाट का ....., ... राग है।

(ञ) चौताल का प्रयोग ..... गायन में किया जाता है।

× × × × × × ×